समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

बुंदेलखंड की रहस्यमयी बावड़ी : असाध्य रोगों को ठीक करने का दावा, लोगों मे उंमड़ी भारी भीड़

Publisher

Published on 09 Oct 2025

मध्य प्रदेश के **बुंदेलखंड** क्षेत्र में अचानक ही एक पुरातन **बावड़ी** (स्तूपाकार पानी की संरचना) लोगों के लिए चमत्कार और आस्था का केंद्र बन गई है। इस बावड़ी की खोज एक स्थानीय जंगल में खुदाई के दौरान हुई। बावड़ी का पानी अब लोगों के लिए **असाध्य रोगों के इलाज** का माध्यम बनकर सामने आया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बावड़ी के पानी से कई लोग अपने पुराने और जटिल रोगों से निजात पाने का दावा कर रहे हैं। बुंदेलखंड के छोटे-छोटे गाँवों से लोग इस बावड़ी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जैसे ही खबर फैलती है, वैसे ही लोग अपने रोगों के इलाज और आस्था के लिए बावड़ी के पास जुटने लगते हैं।

बावड़ी के आसपास रोजाना मेला जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। स्थानीय प्रशासन ने भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ के कारण सुरक्षा और स्वास्थ्य के उपाय सुनिश्चित करने शुरू कर दिए हैं। दुकानदार और स्थानीय व्यापारी भी इस मौके का लाभ उठाते हुए यहाँ तरह-तरह की सेवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं।

स्थानीय लोग बताते हैं कि बावड़ी का पानी पीने या उसमें स्नान करने से कई असाध्य रोगों में आराम महसूस हो रहा है। कुछ लोग तो दावा कर रहे हैं कि उनकी **पुरानी बीमारियों मे सुधार** हुआ है। बुंदेलखंड के निवासी और आस-पास के गाँवों के लोग इस चमत्कार के प्रमाण देने के लिए अपने अनुभव साझा कर रहे हैं।

हालांकि, चिकित्सक और वैज्ञानिक अभी इस पानी की **वैज्ञानिक जांच** कर रहे हैं। उनके अनुसार, पानी के औषधीय गुणों की पुष्टि होने तक केवल व्यक्तिगत अनुभव पर भरोसा करना उचित नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि सावधानीपूर्वक ही बावड़ी के पानी का सेवन किया जाए।

स्थानीय प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि बावड़ी में आने वाले लोग साफ-सफाई और भीड़ प्रबंधन का पालन करें। उन्हें यह

सुनिश्चित करना होगा कि कोई दुर्घटना या संक्रमण न फैले। प्रशासन ने मेडिकल टीम को भी सतत तैनात किया है ताकि आपात स्थिति में त्वरित इलाज संभव हो।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह बावड़ी उनके लिए सिर्फ पानी का स्त्रोत नहीं, बल्कि **आस्था और विश्वास का प्रतीक** बन चुकी है। बुजुर्ग और बच्चों सहित सभी वर्ग के लोग इस पानी की शरण में आते हैं। बुंदेलखंड में कुछ लोग तो इस बावड़ी के आसपास पूजा पाठ और धार्मिक अनुष्ठान भी करने लगे हैं।

स्थानीय व्यापारी और छोटे व्यवसायी भी बावड़ी के आस-पास ठेले और दुकाने लगाकर आने वालों को सुविधाएँ उपलब्ध करा रहे हैं। मेला जैसे इस माहौल ने इलाके में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया है।

स्थानीय प्रशासन और जिला अधिकारी मिलकर इस बावड़ी को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से देखने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए सुरक्षा और सफाई के अतिरिक्त, आने वाले लोगों के लिए दिशानिर्देश और सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा।

साथ ही, वैज्ञानिक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस पानी के संभावित औषधीय गुणों का अध्ययन कर रहे हैं। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों का भरोसा सही ठहर सके और किसी प्रकार का स्वास्थ्य जोखिम न हो।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.